पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने डाक टिकट प्रदर्शनी उत्तरपेक्स-2015 का उद्घाटन किया

लखनऊः 30 अक्टूबर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज ललित कला अकादमी अलीगंज में डाक टिकट पर आधारित प्रदर्शनी 'प्रथम आंचलिक डाक टिकट उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड उत्तरपेक्स-2015' का उद्घाटन किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में राज्यपाल ने 21 सितम्बर, 1947 को तिरंगे के चित्र वाला जारी पहला डाक टिकट भी देखा। प्रदर्शनी 30 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक चलेगी। इस अवसर पर चीफ पोस्ट मास्टर जनरल डा0 सरिता सिंह, श्री आलोक सक्सेना चीफ पोस्ट मास्टर जनरल कानपुर, श्री विवेक कुमार दक्ष निदेशक डाक सेवायें उत्तर प्रदेश सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर सुकन्या समृद्धि योजना पर आधारित डाक टिकट का अनावरण किया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा सुकन्या योजना महिलाओं की उन्नति एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण है। किसी भी परिवार में लड़की का अपना महत्व होता है। महिलाओं की विशेषता है कि वे पारिवारिक भावना को बांध कर रखती हैं। राज्यपान ने इस अवसर पर अपने द्वारा लोकसभा में प्रेषित प्राईवेट मेम्बर बिल के तहत स्तनपान प्रोत्साहन तथा बच्चों की खाद्य सामग्री के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक तथा मुंबई में महिलाओं के लिए विशेष लोकल ट्रेन पर खास तौर से चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज का मन बदलने के लिए काम करने की जरूरत है।

श्री नाईक ने कहा कि डाक टिकट दिखने में तो छोटा होता है मगर अत्यन्त सुंदरता से प्रेषित किया जाता है। डाक टिकट को देखने और जमा करने का अपना अलग आनंद है। भारत विविधताओं का देश है जहां अनेक संभावनाएं हैं। डाक टिकट प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चे, युवा तथा सभी को देश के प्राकृतिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक-कला एवं खेल आदि विषयों पर जानकारी प्राप्त होती है। इसके साथ ही हमें अपने देश के नेताओं, महापुरूषों एवं महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों की भी जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि डाक विभाग अपनी विश्वास की परम्परा को बनाये रखें तथा डाक टिकट संग्रह की परम्परा को बढ़ावा देने की जरूरत है।

इस अवसर पर डा0 सरिता सिंह चीफ पोस्ट मास्टर जनरल ने स्वागत भाषण दिया तथा निदेशक डाक सेवायें श्री विवेक कुमार दक्ष ने प्रदर्शनी पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राज्यपाल को एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।

प्रथम आंचलिक डाक टिकट प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड
प्रदर्शनी, 'उत्तरपेक्स–2015'
का उद्घाटन समारोह
मुख्य अतिथि

प्रथम आंचलिक डाक टिकट प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड
उत्तरपेक्स–2015
लखनऊ
30 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2015
श्री राम नाईक

'उत्तरपेक्स–2015'
Post Cards, Journey of River Ganga & Yamuna

प्रथम आंचलिक डाक टिकट प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड
India Post

प्रथम आंचलिक डाक टिकट प्रदर्शनी (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड)
India Post
शुक्रवार, 30-10-2015
प्रदर्शनी, 'उत्तरपेक्स-2015'